

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	भाद्र 29, शुक्रवार, शाके 1946-सितम्बर 20, 2024 <i>Bhadra 29, Friday, Saka 1946- September 20, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, अगस्त 20, 2024

संख्या प. 2(48) वन/2023 :- चुकिं निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चुकिं पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबदल ही किये गये हैं।

और चुकिं सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चुकिं इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11(1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न - प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

अशोक कुमार योगी,
शासन उप सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			नाम ग्राम	विवरण		
				दिशा	भूमि			खसरा नं०	क्षेत्रफल (बीघा- बीस्वा में)	क्षेत्रफ ल (हे० में)
1	देवपुरा A	खानपुर	झालावाड	उत्तर	राज. सरकार गे.मु. नाला	381	देवपुरा	390	48-05	7.810 4
				दक्षिण	निजी खातेदारी	395, 396				
				पूर्व	निजी खातेदारी	391				
				पश्चिम	निजी खातेदारी	390/ 478				
			कुल वनखण्ड- देवपुरा A						48-05	7.810 4
2	देवपुरा B	खानपुर	झालावाड	उत्तर	राज. सरकार गे.मु. नाला	368	देवपुरा	408	93-04	15.08 67
				दक्षिण	निजी खातेदारी	409				
				पूर्व	राज. सरकार गे.मु. नाला	405				
				पश्चिम	राज. सरकार गे.मु. नाला	417				
कुल वनखण्ड- देवपुरा B									93-04	15.08 67
कुल वनखण्ड- देवपुरा A एवं देवपुरा B									141-09	22.89 71

हस्ताक्षर

(मुकेश कुमार सुमन)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(सागर पवार IFS)
उप वन संरक्षक,
झालावाड़

द्वितीय अनूसूची वनखण्ड देवपुरा A एवं B

पेड़ों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Ziziphus muaritiana	झाड़ी बेर
4	Balanities aegyptiaca	हिगोट
5	Acacia leucophloea	रोंझ
6	Dalbergia sissoo	शीशम
7	Holoptelia integrifolia	चुरेल

हस्ताक्षर

(मुकेश कुमार सुमन)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(सागर पवार IFS)
उप वन संरक्षक,
झालावाड़

उप वन संरक्षक, झालावाड़

प्रमाण पत्र

जिला :- झालावाड़

तहसील :- खानपुर

रेंज :- खानपुर

वनखण्ड :- देवपुरा

ग्राम :- देवपुरा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है जिसका वन विभाग के नाम अमल किस्म की भूमि है चकी जा की दरामद-मु.गे0 जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा वृक्षारोपण विकास कार्यों के कराये जाने की संभावना है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 है।
4. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न हैं जिसमें खसरा नं है। दर्ज रकबा व .
5. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक हैं। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
6. इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

हस्ताक्षर

(मुकेश कुमार सुमन)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(सागर पवार IFS)
उप वन संरक्षक,
झालावाड़